मखाना को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने की कोशिश

पटना। अंतरराष्ट्रीय मखाना केंद्र और पीएचडी चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज (पीएचडीसीसीआई) के बैनर तले चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (सीआईएमपी) और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के सहयोग से पहला राष्ट्रीय मखाना सम्मेलन आयोजित किया गया। उद्घाटन प्रशासनिक अधिकारी विवेक कुमार सिंह ने किया। पीएचडीसीसीआई के अध्यक्ष सत्यजीत सिंह ने बताया कि सरकार द्वारा मखाना पर सामान्य विज्ञापन शुरू करने के लिए कृषि विभाग में मखाना जेनेरिक ऐड को बढ़ावा देने पर सहमति बन गयी है। आईईएमसीआर व पीएचडीसीसीआई जनवरी 2023 में पहला अंतरराष्ट्रीय मखाना सम्मेलन सह प्रदर्शनी आयोजित करेगा। तीन दिवसीय सम्मेलन में उद्योग और एफपीओ के लगभग 200 स्टॉल शामिल होंगे। इस अवसर पर सचिव कृषि विभाग डॉ. एन सरवन कुमार, नंदकिशोर, डॉ. सीपी सिंह, डॉ. आशुतोष उपाध्याय, प्रो. डॉ. बैजनाथ झा, प्रो. राणा थे।

Hindustan ! Page.No-10 ! Dated:21-09-2022

मखाना को लोकप्रिय बनाने में सरकार करेगी पहल

मखाने से जुड़ीं समस्याओं और सुझावों को चिन्हित करने की जरूरत : विकास आयुक्त

patna@inext.co.in

PATNA(20 Sept): मखाना का सरकार के स्तर पर प्रचार का सुझाव दिया गया है. इससे मैं सहमत हूं. कृषि व सूचना जनसंपर्क विभाग के समन्वय के साथ इस पर आगे बढ़ा जा सकता है. उक्त बातें मंगलवार को राष्ट्रीय मखाना सम्मेलन में विकास आयुक्त विवेक कुमार सिंह ने कहीं. चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान में उन्होंने कहा कि मखाने से जुड़ी समस्याओं और सुझावों को चिन्हित करने की जरूरत है. मखाना उत्पादन का वास्तविक डेटा और रकबा भी एकत्र करने की जरूरत है. उत्पादन, प्रसंस्करण, पूंजी और बाजार की हर समस्या दूर कर हम नया अध्याय जोड़ सकते हैं.

बढ़ेगी आमदनी

इससे पूर्व भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के कार्यकारी निदेशक डॉक्टर आशुतोष उपाध्याय ने कहा कि तकनीक, क्रेडिट, बाजार, आधारभूत संरचना और सूचनाएं मखाना के विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं. स्वर्ण वैदेही प्रजाति से अधिक पैदावार ली जा सकती है. मैदानी इलाकों में मखाना के साथ मछली और धान की मिश्रित खेती से आमदनी बढ़ सकती है. कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण के सहायक महाप्रबंधक डाक्टर सीबी सिंह ने कहा कि मखाना को जीआइ टैग मिला है. इसे राष्ट्रीय के साथ अंतरराष्ट्रीय बाजार देने की कोशिश होनी चाहिए. बागवानी निदेशक नंदकिशोर ने कहा कि सबौर मखाना -1 प्रजाति भी उन्नत है. उत्पादन, प्रसंस्करण, पूंजी और बाजार की हर समस्या दूर कर हम नया अध्याय जोड़ सकते .

मखाने की खपत बढ़ेगी

प्रसंस्करण में मशीनों का उपयोग बढ़ाना होगा. मखाने से आटा, खीर सहित अन्य उत्पाद बनाने से इसकी खपत बढ़ेगी. कृषि सचिव डॉक्टर एन सरवन कुमार ने कहा कि मखाने के निर्यात संबंधी सुविधाएं देने की कोशिश हो रही है. कार्यक्रम को मखाना विशेषज्ञ प्रोफेसर डॉक्टर बैजनाथ झा, चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान के निदेशक प्रोफेसर राणा सिंह सहित अनिल कुमार झा, इंदु शेखर सिंह, बीएस आचार्य ने भी संबोधित किया.

I-Next ! Page No - 05 ! Date - 21-09-2022 !

Govt to launch generic ad on 'makhana' soon

B K Mishra

TOI

Delegates at the national conference on makhana in Patna on Tuesday

Patna: Agricultural experts and government officials discussed in detail the issues related to the production, processing, identification and trade of 'makhana' (fox nuts) at the first-ever national conference on 'makhana' held here on Tuesday under the joint auspices of the International Makhana Centre (IMC) and PHD Chamber of Commerce and Industry (PHDCCI) in association with Chandragupt Institute of Management-Patna (CIMP).

The state development commissioner Vivek Kumar Singh inaugurated the conference. Agriculture department's secretary N Sarvana Kumar, state horticulture director Nand Kishore, Indian Council of Agricultural Research's acting director Ashutosh Upadhyaya, C M Science College's former principal and 'makhana' expert Vaidyanath Jha and CIMP's director Rana Singh were also present on the occasion.

All the participants highlighted the importance of increasing production of nutritious food supplement 'makhana' through technological interventions.

It emerged at the conference that on the request of PHDCCI's chairman Satyajit Singh the agriculture department has agreed to launch generic advertisements on 'makhana' by the state government on the pattern of milk and egg. This will be quite helpful in creating awareness about 'makhana' in the masses and in promoting its trade.

The Bihar's Mithila Makhana has recently been accorded Geographical Indication tag by the government.

The Times of India ! Page No - 04 !
Date - 21-09-2022 !

विदेशों में मखाना का प्रचार व जागरूकता महत्वपूर्ण

पटना (एसएनबी)। अंतरराष्ट्रीय मखाना केंद्र और पीएचडी चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज ने चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट के सहयोग से पहले राष्ट्रीय मखाना सम्मेलन का आयोजन किया गया। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय समर्थित इस सम्मेलन का उद्घाटन राज्य के विकास आयुक्त विवेक कुमार सिंह ने किया। सम्मेलन उत्पादन

■ राष्ट्रीय मखाना सम्मेलन में 200 किसानों ने की शिरकत

प्रसंस्करण पहचान और पैसा पर चर्चा के साथ शुरू हुआ। सभी वक्ताओं ने तकनीकी हस्तक्षेप के माध्यम से उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाने के महत्व पर प्रकाश डाला। पीएचडीसीसीआई के अध्यक्ष सत्यजीत सिंह ने बताया कि राज्य कृषि अर्थव्यवस्था के लिए देश और विदेशों में मखाने का प्रचार और इसकी जागरूकता महत्वपूर्ण है। मखाना पर सामान्य विज्ञापन शुरू करने के लिए कृषि विभाग मखाना जेनेरिक ऐड को बढ़ावा देने पर सहमत हो गया है। दूध और अंडे की लाइन पर इससे मखाने को बढ़ावा देने में मदद

पीएचडी चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज व चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट के सहयोग से राष्ट्रीय मखाना सम्मेलन का उद्घाटन करते अधिकारी।

मिलेगी। उन्होंने बताया कि आईईएमसीआरपी एचडी सीसीआई जनवरी के महीने में पहला अंतरराष्ट्रीय मखाना सम्मेलन और प्रदर्शनी आयोजित करेगा। जिसमें मखाना में काम करने वाले सभी उद्योग और एफपीओ को स्टॉल, बी2बी और खरीदार भाग लेंगे। उत्पादन प्रसंस्करण पहचान और पैसा पर तीन दिवसीय सम्मेलन के साथ उद्योग और एफपीओ के लगभग 200 स्टॉल होंगे। इसमें केंद्र और राज्य सरकार के सभी लोग शामिल होंगे।

अनुसंधान संस्थान और मखाना से जुड़े उत्पादन विकास संस्था के लोग भी शामिल होंगे। इस अवसर पर कृषि सचिव डॉक्टर डीएन सरवन कुमार, बागवानी मिशन निदेश, नंदकिशोर निदेशक कृषि विभाग डा. सीपी सिंह, एजीएम और प्रमुख यूपी बिहार और उत्तराखंड एपी डा. आशुतोष उपाध्याय, प्रोफेसर बैजनाथ झा, प्रोफेसर राणा सिंह, अनिल कुमार झा, इंदु शेखर सिंह, बीएस आचार्य मौजूद थे।

Rashtriya Sahara ! Page.No-02 ! Dated:21-09-2022